वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 170 | सोमवार 14 अक्टूबर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी प्रत्याशियों के पैनल पर मुहर

हर सीट पर 3 नाम हुए फाइनल; कोर कमेटी की बैठक में वसुंधरा नहीं हुईं शामिल

दिल्ली में जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस पैनल को रखा गया। करीब 45 मिनट चली बैठक में राजस्थान से सीएम भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल और प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल मौजूद रहे।

जयपुर. कासं

राजस्थान की 7 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर प्रदेश बीजेपी ने पैनल तैयार कर लिया। रविवार को सीएमआर में हुई प्रदेश कोर कमेटी की बैठक ने प्रत्याशियों के पैनल पर मुहर भी लगा दी। दिल्ली में जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस पैनल को रखा गया। करीब 45 मिनट चली बैठक में राजस्थान से सीएम भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल और प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल मौजूद रहे। इससे पहले दिन में सीएमआर में आयोजित हुई प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे शामिल नहीं हुईं। वहीं, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और सतीश पूनिया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक में जुड़े।

उपचुनाव समेत अन्य विषयों पर चर्चा हुई

बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा- भारतीय जनता पार्टी में सामूहिक निर्णय की प्रक्रिया और पद्धति है। कोर कमेटी की बैठक में हम सभी ने प्रदेश में आने वाले उपचुनाव सहित अन्य विषयों पर चर्चा की है। उन्होंने कहा- हरियाणा के चुनाव में हम सब लोग अलग-अलग जगह काम कर रहे थे। उसके बाद हम सभी को एक साथ बैठना भी था। बीजेपी की डबल इंजन की सरकार प्रदेश और देश में दोनों जगह काम कर रही है। राजस्थान में और अधिक बेहतर तरीके से हम कैसे काम कर सकते हैं। इस पर भी चर्चा हुई है।

प्रदेश ने तीन-तीन नामों का पैनल भेजा

बताया जा रहा है कि प्रदेश बीजेपी ने 7 विधानसभा सीटों के लिए तीन-तीन नामों का पैनल तैयार किया है। प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में नामों के पैनल पर चर्चा करने के बाद उन्हें फाइनल कर लिया गया है। बैठक में तय किया गया है कि चुनावों को लेकर जो भी नाम फाइनल किया जाएगा, वो सामूहिक सहमति से किया जाएगा। इसके अलावा बैठक में चुनावी तैयारी के साथ-साथ सरकार के 10 महीनों के कामकाज के साथ जनता के बीच जाना तय हुआ है। बैठक में चुनावी तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई। सातों सीटों पर माइक्रो मैनेजमेंट के साथ पार्टी चुनावी मैदान में उतरेगी। इसमें प्रत्याशी चयन से लेकर चुनाव प्रचार की प्रक्रिया सहित अन्य तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में चुनाव प्रचार के दौरान केन्द्रीय नेताओं और प्रदेश के नेताओं के दौरों को लेकर भी चर्चा हुई। बताया यह भी जा रहा है कि राजस्थान सरकार उप चुनावों से पहले ईआरसीपी-पीकेसी योजना के पहले फेज का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कराने की तैयारी कर रही है। ऐसा करके सरकार पूर्वी राजस्थान सहित अन्य सीटों को भी साधना चाहती है।

इन 7 सीटों पर प्रदेश में होने हैं उपचुनाव

दरअसल, राजस्थान में झुंझुनूं, दौसा, देवली-उनियारा, चौरासी, खींवसर, सलूंबर और रामगढ़ सीटों पर उपचुनाव होने हैं। झुंझुनूं, दौसा, देवली-उनियारा, चौरासी, खींवसर सीटें विधायकों के लोकसभा चुनाव जीतने के कारण सीटें खाली हुई थी। वहीं सूलंबर सीट बीजेपी विधायक अमृतलाल मीणा के निधन और रामगढ़ सीट कांग्रेस विधायक जुबेर खाने के इंतकाल के चलते खाली हुई है। ऐसे में अब प्रदेश में 7 विधानसभा सीटों पर उप चुनाव होने हैं। उपचुनाव वाली 7 सीटों में से बीजेपी के पास एक ही सीट थी। लोकसभा चुनाव जीतने से खाली हुई 5 सीटों में 3 कांग्रेस, एक आरएलपी और एक बीएपी के पास थी। झुंझनूं से बृजेंद्र ओला, देवली उनियारा से हरीश मीणा, दौसा से मुरारीलाल मीणा कांग्रेस की टिकट पर विधानसभा चुनाव जीते थे। सभी अब सांसद बन चुके हैं।

मदनगंज किशनगढ़ में आचार्य 108 श्री सुनील सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित हुआ दीक्षा समारोह

धमाना निवासी फागी वासी पन्नालाल जैन बने क्षुल्लक सुपुण्य सागर

मदनगंज किशनगढ़. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे से आज सकल दिगम्बर जैन समाज की अगुवाई में आचार्य 108 श्री सुनील सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में हो रहे दीक्षा समारोह में 41यात्रियों का एक दल दर्शनार्थ हेतु मदनगंज किशनगढ़ पहुंचा। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम में आचार्य श्री के पावन सानिध्य में पांच नवदीक्षित दीक्षार्थियों को गृहस्थ जीवन से वैराग्य की ओर जाने हेतु विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा संयम एवं साधना के लिए दीक्षा प्रदान कर कृर्थात किया।कार्यक्रम में संघ में विराजमान क्षुल्लक सुकल्प सागर महाराज को ऐलक दीक्षा प्रदान कर नवीन नाम शान्तनु सागर महाराज रखा गया,नव दीक्षार्थी रतनलाल जैन को क्षुल्लक दीक्षा देकर सुरत्न सागर महाराज के नाम से नामकरण किया गया, कार्यक्रम में धमाना निवासी फागी वासी पन्नालाल जैन को क्षुल्लक दीक्षा प्रदान कर सुपुण्य सागर महाराज के नाम से नामकरण किया गया, कार्यक्रम में रजनीकांत जैन को क्षुल्लक दीक्षा प्रदान कर सुकांत सागर के नाम से नामकरण किया गया।इसी तरह 92वर्षीय ललिता देवी जैन को क्षुल्लिका दीक्षा प्रदान कर अलिप्तमति माताजी के नाम से नामकरण किया गया।इस तरह आचार्य श्री के द्वारा पांच नव दीक्षार्थियों को दीक्षित किया गया कार्यक्रम में अग्रवाल समाज फागी के मंत्री कमलेश चोधरी एवं त्रिलोक पीपलू तथा विमल कलवाडा ने संयुक्त रूप से बताया कि उक्त कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं आर के मार्बल्स के सुरेश पाटनी ने सहभागिता निभाते हुए गरिमा मयी उपस्थिति प्रदान कर जैन समाज को गौरवान्वित किया एवं सभी नव दीक्षार्थीयों को नवीन पिच्छिका एवं कमण्डलु भेंट कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया । कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष एवं मुनिसुव्रतनाथ पंचायत के अध्यक्ष विनोद पाटनी उरसेवा निवासी मदनगंज किशनगढ़ वालों की अगुवाई में मंदिर समिति की कार्यकारिणी के सहयोग से सकल जैन समाज के तत्वावधान हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम के संयोजक चंद्रप्रकाश वैद ने अवगत कराया कि उक्त कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन बसन्त वैद ने किया।

आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज का ''आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी समारोह''

सीकर. शाबाश इंडिया

20वीं सदी के प्रथमाचार्य परम पूज्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज का आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी समारोह रविवार को सकल जैन समाज द्वारा भक्तिभाव से मनाया गया। मीडिया प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि इस अवसर पर शहर के बजाज रोड़ स्थित दंग की नसियां जैन मंदिर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सर्वप्रथम मंदिर पर शांति ध्वज लगाया गया। इसके पश्चात मंदिर में आचार्य

शांतिसागर महाराज की फोटो के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन किया गया

व उपस्थित धर्मावलंबियों द्वारा आचार्य श्री को अर्घ समर्पित किया गया । बड़ा मंदिर कमेटी के मंत्री अजीत जयपुरिया एवं सदस्य आशीष जयपुरिया ने बताया कि दीप प्रज्ज्वलन का सौभाग्य माणकचन्द नवरत्न अंकुर छाबड़ा बीड़ वाले परिवार को प्राप्त हुआ। गुणानुवाद सभा में प्रबुद्धजनों ने आचार्य श्री की जीवनी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आचार्य शांतिसागर महाराज की स्तुति कर आरती की गई।

Rotary DISTRICT 3056 | THE MAGIC OF ROTARY

ROTARY CLUB JAIPUR CITIZEN

DONATE BLOOD

BLOOD DONATION CAMP

ROTARY CLUB JAIPUR CITIZEN

मेघा ब्लड डोनेशन कैंप 20 से 23 अक्टूबर 2024 तक 10 रक्तदान शिविर

क्र.सं.	रक्तदान शिविर		शिविर आयोजक	रक्तदान शिविर स्थल
	दिनांक	समय		
1.	20 अक्टूबर	प्रात: 8 से 4 बजे तक	प्रज्ञा इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनेलिटी डवलपमेंट	गली नम्बर 6, बरकत नगर, जयपुर
2.	20 अक्टूबर	प्रात: 9 से 1 बजे तक	श्री महावीर कॉलेज	सी-स्कीम, जयपुर
3.	20 अक्टूबर	प्रात: 9 से 3 बजे तक	केटम एकेडमी आमेर	केटम एकेडमी आमेर, जयपुर
4.	21 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	एस डी एम एच ब्लड बैंक	एस डी एम एच ब्लड बैंक, जयपुर
5.	21 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	सुप्रीम हाईट्स	गोपालपुरा बाईपास रोड, जयपुर
6.	21 अक्टूबर	प्रात: 9 से 2 बजे तक	बेबीलोन होस्पिटल	311, आदर्श नगर, जयपुर
7.	22 अक्टूबर	प्रात: 9 से 1 बजे तक	ए आर एल इंफ्राटेक लिमिटेड	गांव धामी खुर्द, बगरू, एन एच 8, अजमेर हाइवे, जयपुर
8.	22 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	आकृति लेब	गांधी नगर मोड़, टोंक रोड, जयपुर
9.	22 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	ग्लोबल हर्ट एंड जनरल हॉस्पिटल	वेशाली नगर, जयपुर
10.	23 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी	प्लॉट नं. आईएस 2036-2039, रामचंद्रपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया, सीतापुरा

Rtn. Dinesh Mitu Jain Baj, President | Rtn. Sudhir Sangeeta Godha, Charter President | Rtn. Narendra Seema Mittal, Secretary | Rtn. Neeraj Archana Kala, Treasurer

CHAIRMAN
Rtn. Amit-Sonil Agarwal

वेद ज्ञान

दुख बेहद स्वाभाविक है

संसार में सभी किसी न किसी कारण दुखी हैं। कोई अधिक, कोई अल्प। दुख स्वाभाविक है जब परिस्थितियां अनुकूल न हों, कभी स्थितियों पर हमारा वश नहीं होता अथवा उनके निदान के हमारे प्रयास विफल हो जाते हैं। वावजूद इसके, हमारे अधिकांश दुखों का कारण हम स्वयं हैं। मन में चल रहे विकार समाज और संसार को देखने का दृष्टिकोण बदल देते हैं। मन का अहंकार दूसरों की उपलब्धियां देख ईर्ष्या और क्रोध उत्पन्न करता है। मन में बसा लोभ कामनाओं की पूर्ति न होने से क्षोभ और निराशा को जन्म देता है। मनुष्य यह विश्वास कर ले कि वह किसी का भी भाग्यविधाता नहीं है, तो उसके दुख कम हो जाएंगे। यदि वह किसी को कुछ देने की स्थिति में है, तब भी वह दाता नहीं है। दाता एक ही है परमेश्वर। मनुष्य को तो उसने माध्यम बना रखा है। यदि ईश्वर किसी को देना चाहता है तो उसके पास माध्यमों का अभाव नहीं है। उसे देने से रोक लेने की सामर्थ्य भी किसी मनुष्य में नहीं है। मनुष्य का जन्म माता व पिता के संयोग से हुआ और पंच तत्वों से मिल कर उसका तन बना। इस तन में जीव का निवास परमात्मा की कृपा से ही हुआ। जीव के बिना तन निर्जीव है। तन तभी तक सजीव है जब तक परमात्मा उसमें जीव को स्थित किए हुए है। यह परमात्मा का सबसे बड़ा उपकार है। मनुष्य को तो प्रत्येक सांस हर पल के लिए परमेश्वर का आभारी होना चाहिए कि उसने इतनी सुंदर सृष्टि को देखने का अवसर दिया। परमात्मा की इस महान कृपा के अहसास के साथ जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है। जिस परमात्मा ने जीवन दिया है वही इसका संरक्षण भी करेगा। जैसे मनुष्य अपनी बनाई कृतियों से प्यार करता है और उन्हें सुरक्षित रखने के प्रयास करता है, वैसा ही परमात्मा है। परमात्मा ने संपूर्ण सृष्टि की रचना की और उसे संभाल रहा है। सृष्टि के संचालन का सबसे मुख्य तत्व है संतुलन। जन्म और मृत्य आदि सभी एक निश्चित नियम से आबद्ध हैं। मनुष्य यदि संयम और संतुलन को जीवन का तत्व बनाए तो जीवन सहज और आनंद से परिपूर्ण हो जाएगा। मनुष्य को फल चाहिए, तो जीवन को निरंतर गुणों और शुभ भावनाओं और शुभ कर्मों से सींचता रहे। समय पर उपलब्धियां स्वयं मार्ग में स्वागत करती मिलेंगी। जीवन में दुख कम से कम हों, यह स्वयं पर निर्भर करता है।

संपादकीय

आतंकियों की कायराना हरकत

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आतंकवादियों ने एक बार फिर जैसी हरकत की है, उससे यही पता चलता है कि उनका मकसद देश में लोकतंत्र को बाधित करना है और इसमें नाकामी की वजह से उनके भीतर हताशा गहरा रही है। नतीजतन, वे और ज्यादा बेलगाम हो रहे हैं और सुरक्षा बलों पर हमले कर रहे हैं। गौरतलब है कि आतंकियों ने मंगलवार को अनंतनाग इलाके में 'टेरिटोरियल आर्मी' के दो जवानों का अपहरण कर लिया था।

बाद में एक जवान किसी तरह आतंकवादियों के चंगुल से निकल भागा और एक का शव जंगल में मिला। निश्चित रूप से यह राज्य में आतंकी तत्त्वों के खिलाफ अभियान छेड़ने वाले सुरक्षा बलों सहित देश के लिए दुख की बात है। मगर इससे यही पता चलता है कि अपनी मंशा में नाकामी के नतीजे में आतंकवादियों ने सोच-समझ और लक्ष्य कर राज्य में सहायक सैन्य संगठन की भूमिका निभाने वाले 'टेरिटोरियल आर्मी' के जवानों को अगवा किया और उनमें से एक हत्या कर दी। दरअसल, पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों ने आतंकवादी समूहों के खिलाफ बेहद सख्त रुख अख्तियार किया हुआ है। हाल में चलाए गए अभियानों और मुठभेड़ों में कई आतंकियों को मार गिराने में सुरक्षा बलों को कामयाबी मिली। हालांकि इस बीच आतंकी हमलों में कई जवान भी शहीद हो गए। इसके बावजूद जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को बहाल करने का काम नहीं रुका और कुछ दिन पहले राज्य की विधानसभा के लिए हुए चुनावों के नतीजे भी सामने आ गए। इसके बाद अब वहां बाकायदा लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनी गई एक सरकार काम करेगी। जाहिर है, आतंकी हमलों के जरिए जिस तरह की उथल-पुथल पैदा करने और राज्य को अशांत बनाए रखने की कोशिश की जा रही थी, उसमें आतंकवादी समूहों को बड़ी नाकामी हाथ लगी है। यह बेवजह नहीं है कि राज्य में एक ओर चुनाव के परिणाम घोषित होने की प्रक्रिया जारी थी, दूसरी ओर उन्होंने दो जवानों को अगवा और उनमें से एक की हत्या करके यह संदेश देने की कोशिश की कि राज्य में आतंकवाद हावी है। मगर सच यह है कि उनकी यह हरकत उनकी हताशा को दर्शाता है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि हाल ही में जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के गुगलधार में नियंत्रण रेखा पर सेना और पुलिस के जवानों ने घुसपैठ की कोशिश करते दो आतंकियों को मार गिराया था। उनके पास से भारी तादाद में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया था। इसके अलावा भी सुरक्षा बलों के कई अभियानों में आतंकी मारे गए या उनके सहयोगी गिरफ्तार किए गए। साथ ही, स्थानीय आबादी के बीच उनके सहयोग या संरक्षण का पक्ष भी कमजोर हुआ है और अब लोग उनकी हकीकत को समझने लगे हैं। अब जवानों से लेकर स्थानीय लोगों सहित प्रवासी मजदूरों पर लक्षित हमले करके वे अपनी उपस्थिति जताने की कोशिश कर रहे हैं। मगर यह भी सच है कि सुरक्षाबलों की तमाम चौकसी और आतंकियों पर नकेल कसने के लिए चलाए जाने वाले अभियानों के बावजूद आज भी आतंकवादी संगठनों का पूरी तरह सफाया किया जाना संभव नहीं हो सका है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सड़क पर मौत का नाटक

सड़क के किनारे या किसी पार्क में गड्ढे, खुले नाले या मैनहोल में गिर जाने से बच्चों की मौत की घटनाएं अक्सर सामने आती रही हैं। खासकर बरसात में जलजमाव की वजह से सड़क किनारे किसी गड्ढे या नाले का कई बार पता नहीं चलता और राह चलते लोग उसमें गिर जाते हैं। गौरतलब है कि पांच दिन पहले उत्तर-पश्चिम दिल्ली के अलीपुर इलाके में एक खुले नाले में गिरने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। वहां निर्माण कार्य कराने वाले ठेकेदार ने कई जगह न केवल नाले को खुला छोड़ दिया था, बल्कि वहां आसपास न तो कोई घेरा लगाया गया था और न कोई चेतावनी के संकेत लगाए गए थे। जाहिर है, यह ठेकेदार से लेकर संबंधित सरकारी महकमे और उसके अधिकारियों की स्पष्ट लापरवाही है। अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने ऐसे कुछ मामलों को आधार बना कर दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, दिल्ली विकास प्राधिकरण और नगर निगम आयुक्त को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में विस्तृत रपट मांगी है। आयोग ने कहा है कि ऐसी घटनाएं नगर निकाय के अधिकारियों की स्पष्ट लापरवाही है और यह पीड़ितों के मानवाधिकारों का उल्लंघन है। यह समझना मुश्किल है कि नाले का निर्माण कराने वाले ठेकेदार और अन्य लोगों को इतनी साधारण बात समझ में क्यों नहीं आती कि खुला नाला कभी भी किसी की मौत की वजह बन सकता है। दिल्ली में पिछले कुछ दिनों में खुले नाले या मैनहोल में गिर कर लोगों की मौत हो जाने की पांच घटनाएं हो चुकी हैं। विडंबना यह है कि सरकार या संबंधित महकमों को लंबे समय से कायम इस गंभीर समस्या पर गौर करने की जरूरत नहीं महसूस होती। जब भी खुले नाले, गड्ढे या मैनहोल में गिर जाने से किसी की जान चली जाती है, तब सरकार की ओर से औपचारिकता के लिए कुछ कदम उठाने की घोषणा की जाती है, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर

वैसी ही कोई घटना हो जाती है। किसी भी जगह नाले के निर्माण या मैनहोल की साफ-सफाई के दौरान उसे खतरनाक तरीके से खुला छोड़ देने की वजह से किसी की मौत की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

108 शान्ति सागर जी महाराज आचार्य पद शताब्दी महोत्सव संपन्न

शांति ध्वज ध्वजारोहण व शान्ति स्तुति दीप प्रजलन किया

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के प्रथमचार्य तपस्वी सम्राट आचार्य शाति सागर जी महाराज आचार्य पद शताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य मे रविवार 13 अक्टूबर 2024 को समपुर्ण भारत वर्ष मे एक साथ मनाया गया ।ईसी भावनाओ का बहुमान करते कुचामन सिटी के सभी जिनालयो मे मन्दिर समित व समाज बधु द्वारा मन्दिर परिसरो मे प्रातः शांति ध्वज ध्वजारोहण के दीप प्रज्वलित कर शान्ति स्तुति का पाठ कर आचार्य शान्ति सागर महाराज का जैन समाज के उपकारो को याद कर बहुमान किया गया। श्री 1008 भगवान महावीर दिगम्बर जैन मंदिर डीडवाना रोड पर अध्यक्ष लालचंद पहाड़िया , चिरजीलाल पाटोदी ,भंवरलाल झांझरी सुरेश कुमार पाण्ड्या अमित जैन, श्री दिगम्बर जैन अजमेरी नशियाजी मे अध्यक्ष जयकुमार पहाड़िया सुभाष रावका श्री जैन वीर मण्डल के अध्यक्ष सोभागमल गगंवाल, देवेन्द्र, विकास पहाडिया श्री दिगम्बर जैन तेरापंथी मंदिर धाटी कुवा पर सन्तोष कुमार पहाड़िया पुर्णमल झाझरी अशोक अमित जैन व श्री दिगम्बर जैन नागौरी मन्दिर जी पुरानी धान मण्डी पर केलाश पाडंया अजित कुमार पहाडिया के सानिध्य मे महावीर चेतालय जैन भवन रोड पर शांतिलाल, रमेश कुमार , राजकुमार पहाडिया , अशोक जैन के सानिध्य मे शताब्दी वर्ष महोत्सव पर शान्ति ध्वज ध्वजारोहण स्तुति दीप प्रज्वलित का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज के श्रावक श्राविकाओ व सभी संस्थाओ के प्रमुख गणमान्य जन ने भाग लिया।

रिपोर्ट: सुभाष पहाडिया

पदमावती कॉलोनी पाठशाला में आचार्य शान्तिसागर जी महाराज का आचार्य पदारोहण दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री विद्यासुधा जैन संस्कार पाठशाला पदमावती कॉलोनी जयपुर स्थित पाठशाला में आचार्य शान्तिसागर जी महाराज का आचार्य पदारोहण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राहुल जैन शास्त्री ने शान्ति सागर जी महराज के जीवन पर प्रकाश डाला। पाठशाला संचालिका विमला जैन ठोलिया द्वारा बच्चो को पुरस्कृत किया गया गया। मन्दिर कमेटी द्वारा झंडारोहण किया गया। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि बहुत ही अल्प समय में पाठशाला ने पूरे जयपुर में अपनी अलग पहचान बनाई है। यह पूरे वर्षभर चलने वाली पाठशाला है। जिसका संचालन पदमावती कालोनी स्थित जिन मन्दिर कमेटी द्वारा किया जाता हैं । पिछले महीने एक वर्ष पूर्ण होने पर पाठशाला ने अपना वार्षिक उत्सव मनाया था। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगो ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

गायत्री नगर में आचार्य शांति सागर पदारोहण शताब्दी दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य चारित्र चक्रवर्ती प्रथमाचार्य श्री शांति सागर महाराज का आचार्य पदारोहण शताब्दी दिवस दिगंबर जैन मंदिर गायत्री नगर महारानी फार्म दुर्गापुरा जयपुर में मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में धूमधाम से बड़े भक्ति भाव से मनाया गया। मंदिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा ने अवगत कराया की आचार्य शांति सागर महाराज पदारोहण दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम अभिषेक, शांतिधारा के पश्चात आचार्य श्री के चित्र के समक्ष मन्दिर प्रबन्ध समिति द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात आचार्य श्री की पूजा भक्ति भाव से ग्रुप बनाकर उनके चित्र के सामने पूजा स्थापना, जल,चंदन,अक्षत, पुष्प, दीप धूप, फल, अर्घ्य एवं जयमाला पूर्णार्घ्य समर्पित किए। मंदिर प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष अरुण शाह ने आचार्य श्री के जीवनवृत के संबंध में प्रकाश डाला और कहा कि आज जो श्रमण(दिगम्बर जैन मुनि) परंपरा जीवंत है वो आचार्य श्री की ही देन है। इस अवसर पर कैलाश छाबड़ा, अरुण शाह , धूप चंद शाह, युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन बड़जात्या, एडवोकेट विमल जैन, प्रकाश बड़जात्या, दीपेश छावड़ा, हरख चंद जैन , अनिल जैन बड़जात्या ,पुलक मंच की राष्ट्रीय महामंत्री बीना टोंग्या, मंजू सेवावाली, अनीता बड़जात्या, भावना झांझरी, राकेश पाटोदी, मैना सोगानी, सजल लुहाड़िया, सुरेश जैन ,कमल जैन मालपुरा वाले , पदम पांड्या आदि महानुभावों के साथ महिला- पुरुष उपस्थित थे। सुनंदा अजमेरा के मधुर कंठ से भक्ति के साथ पूजा की गई ,सभी मांगलिक क्रियाएं विधानाचार्य अजित शास्त्री ,पंडित विमल शास्त्री द्वारा कराए गई। अंत में सभी ने मिलकर आचार्य श्री का मंगल ध्वज स्थापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अरुण शाह द्वारा किया गया।

शांति वंदना महोत्सव के अंतर्गत जिनालयो में शांति ध्वज फहराया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। दिगम्बर जैन समाज के प्रथमाचार्य परम पूज्य चारित्र चक्रवर्ती श्री शान्ति सागर जी महाराज के 100 वें आचार्य पदारोहण दिवस को दिगम्बर जैन समाज ने ध्वजा फहरा कर मनाया। आज समस्त दिगम्बर जैन जिनालयों पर शान्ति सागर जी महाराज का ध्वजा का आयोजन किया गया। दिगंबर जैन समाज के अमित गोधा ने जानकारी देते हुए बताया है कि सम्पूर्ण भारतवर्ष में यह वर्ष दिगम्बर जैन समाज के महान समाधिस्थ संत, समाज सुधारक, भारत युग दृष्टा, परम पूज्य चारित्र चक्रवर्ती प्रथमाचार्य 108 श्री शान्तिसागर जी महामुनिराज के आचार्य पदारोहण को शताब्दी वर्ष के रूप में बहुत ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। दिगम्बर जैन पंचायती नसिया जी मे शांति दीप प्रज्वलन व शांति ध्वजा फहराने का सौभाग्य लादूलाल महेंद्र डॉ राजीव जैन, प्रकाश सुशील प्रदीप गदिया हरीश यश मनन जैन परिवार को प्राप्त हुआ। इस आयोजन में दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष अशोक काला मंत्री दिनेश अजमेरा विकल जैन कासलीवाल अमित गोधा अतुल पाटनी श्रीपाल अजमेरा कमल राँवका लादूलाल प्रकाश गदिया हरीश जैन विनोद कटारिया घनश्याम दास शास्त्री चन्द्र प्रकाश गोधा सुनील जैन मुकेश जैन दीपक जैन कल्पेश जैन प्रशान्त जैन संजय जैन विनोद पाटनी महावीर राँवका व समाज के गणमान्य सदस्यगण व महिला उपस्थित थी। शाम मे आचार्य विद्यासागर पाठशाला के बच्चों द्वारा णमोकार मंत्र के पाठ का आयोजन किया गया। जीवन परिचय आचार्य श्री का जन्म येलगुल कर्नाटक में आषाढ़ कृष्ण वी स्वत 1929 ईसवी 1872 को हुआ इनकी माता सत्यवती पिता भीम गोंडा पाटिल के यहाँ हुआ। आपने छू दीक्षा 1915 उतुर गांव महाराष्ट्र में हुई मुनि दीक्षा ईसवी 1920 यरनाल गांव कर्नाटक में हुईं ..आपका आचार्य पद विक्रम संवत 1981 ईसवी 1924 सम डोली गांव में पद ग्रहण प्राप्त हुआ आपने दीक्षित जीवन मे 41 वर्षा योग किये... आपने 78 मुनि माताजी व सकेडो त्यागी व्रती बनाये आपने अपने जीवन काल मे 9602 उपवास किये।

मुनिश्री के16वे दीक्षा दिवस 14 अक्टूबर पर विशेष आलेख

विलक्षण और तपस्वी संत श्रमण श्री सुप्रभसागर जी महाराज

डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर

भारतीय संस्कृति के उन्नयन में श्रमण संस्कृति का योगदान गौरवशाली रहा है। आज भी वह प्राचीन श्रमण संस्कृति भारतीय संस्कृति के उन्नयन में अपनी अहम भूमिका का निर्वाह कर रही है। श्रमण संस्कृति की गौरवशाली परंपरा में परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य परम पूज्य श्रमण सुप्रभसागर जी मुनिराज अपनी आगमोक्त चर्या और आध्यात्मिक चिंतन के द्वारा निरंतर आत्मसाधना व प्रभावना में संलग्न हैं। आप श्रमण परंपरा के विलक्षण और तपस्वी संत हैं। आपने समाज और संस्कृति को भी एक नई दिशा दिखाई है। जन्म : मुनि श्री सुप्रभसागर जी का जन्म जननी मां के जनक नाना के यहां , कोल्हापुर महाराष्ट्र में पिता सद-गृहस्थ श्रेष्ठी राजनशाह , माता सुशील-सरल स्वभावी जननी मां सुरमंजरी की कुक्षि से 13 दिसंबर सन 1981 में हुआ था। श्रमण मुनि श्री सुप्रभसागर जी का गृह ग्राम आध्यात्मिक धर्म नगरी सोलापुर महाराष्ट्र है, जहां एक ओर श्राविका आश्रम है तो दूसरी ओर जीवराज ग्रंथ माला है जहां से संपूर्ण विश्व में जैन साहित्य उपलब्ध कराया जाता है, ऐसी दर्शन- ज्ञान - चारित्र रूपी त्रिवेणी से संपन्न नगर में आपका बाल्यकाल व्यतीत हुआ। गौर वर्ण के शिशु का नामकरण 'तथा गुण यथा नाम' की युक्ति अनुसार मनोज्ञ रखा गया। आपके ननिहाल पक्ष से सुप्रसिद्ध दिगंबर जैन आचार्य श्री समंतभद्र जी महाराज हुए जिन्होंने खुरई, कारंजा आदि स्थानों पर गुरुकुल स्थापित किए थे। आप बचपन से ही विरागी थे। आचार्य श्री 108 श्री विशुद्ध सागर जी ने बैरागी के वैराग्य का परीक्षण कर मध्यप्रदेश के अशोकनगर में सन 2009 अक्टूबर की 14 तारीख को भव्य समारोह में अपार जनसमूह के मध्य ब्रह्मचारी भैया जी को जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की। आपका नामकरण श्रमण मुनि सुप्रभसागर किया गया । इसके उपरांत आप लगभग 6 वर्ष तक अपने दीक्षा गुरु के साथ रहकर धर्म ग्रंथों का अध्ययन करते रहे। मध्य में असाता कर्मोदय के कारण अंतराय और शारीरिक पीड़ा को समता पूर्वक सहन करते रहे। जैसे स्वर्ण अग्नि में तप कर ही चमकता है वैसे ही आपने रोगों को सहनकर अपने दृढ़ वैराग्य एवं आंतरिक समत्व भाव का परिचय दिया। **उपसंघः** अपने शिष्य की प्रतिभा को परख चुके आचार्य श्री विशुद्धसागर जी ने आपको धर्म प्रभावना के लिए प्रेरित किया फलतः सन 2016 छिंदवाड़ा से आपका पृथक उप- संघ बना। तब से अब तक आप नगर -नगर, गांव- गांव में पग विहार कर धर्म की प्रभावना कर रहे हैं।

प्रवचन शैली मनमोहकः आपकी प्रवचन शैली प्रभावक एवं मनमोहनी है। आप आध्यत्मिकता से परिपूर्ण ओजस्वी वक्ता के रूप में जाने जाते हैं। सूत्र वाक्यों में बड़ी से बड़ी बात कह देना आपकी प्रमुख विशेषता है। आप सहज, सरल व कठिन तपस्वी हैं। सक्षम गुरु के सक्षम शिष्य हैं।

सृजन से समृद्ध हुआ साहित्यः आप प्रखर और ऊजार्वान वाणी के लिए तो जाने ही जाते हैं साथ ही अल्प साधना काल में ही बड़ी मात्रा में साहित्य सृजन कर मां जिनवाणी के भंडार और साहित्य जगत के भंडार को बढ़ाया है। आपका साहित्य सभी आयु वर्ग के लिए होता है इसलिए लोग आपकी प्रत्येक रचना को हाथोंहाथ लेते हैं। आपके साहित्य सृजन में कुछ इस प्रकार से है- सुनयनपथगामी, शुभ - लाभ , अहं या वहं, एक भ्रम,भवितव्यता, किसने लिखा। काव्य रचना के प्रति भी आपकी गहरी रुचि होने से आपकी लेखनी से अनेक काव्य रचनाएं भी निरंतर प्रसूत हो रहीं हैं जिनमें सोच , सुगुरु विशुद्धाष्टकम (संस्कृत), सोच नई। आपकी कृतियों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद भी हुआ है , जिनमें प्रमुख हैं- स्वानुभव तरंगिणी (मराठी), पंचशील सिद्धांत (मराठी), नियम देशना (मराठी), सुनयनपथगामी (मराठी एवं अंग्रेजी)। आपके साहित्य सृजन से साहित्य का भंडार समृद्ध हुआ है।

बहु भाषाविदः श्रमण मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज का जन्म महाराष्ट्र में हुआ है। मातृभाषा मराठी, लौकिक शिक्षा सीए होने पर भी संस्कृत, प्राकृत, हिंदी, कन्नड़, अंग्रेजी आदि भाषाविद हैं। बुंदेलखंडी भी खूब बोलते हैं।आपकी प्रवचन शैली मन को मोहने वाली है। मातृभाषा मराठी होने के बाद भी हिंदी भाषा अच्छी है। भाषा सौष्ठव अनूठा है। आपकी तप-साधना भी अनूठी है। धर्म -आत्माओं का स्थितिकारण कैसे करना चाहिए यह मुनिश्री से सीखना चाहिए। आप निरंतर अष्टांग सम्यक्त्व का पालन करते हैं।

समीचीन विकल्पों का सम्यक समाधानः मुनिश्री समीचीन विकल्पों का आगमोक्त सम्यक समाधान निरंतर करके जिज्ञासाओं की पिपासा को शांत कर उन्हें प्रशस्त मार्ग दिखा रहे हैं।

विद्वानों के प्रति वात्सल्यः मुनिश्री का विद्वानों के प्रति हमेशा अतीव वात्सल्य भाव देखने को मिलता है। जब भी कोई विद्वान उनके समीप पहुंचा वह हमेशा उसे प्रमुखता देकर तत्त्व चर्चा करते हैं।

विद्वत संगोष्ठियांः आपके सान्निध्य में मड़ावरा, सागर, विदिशा, उज्जैन और लखनऊ में कुल पांच राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी

अपूर्व सफलता के साथ अभी तक सम्पन्न हुई हैं। छठवीं संगोष्ठी मेरी भावना पर 19,20 अक्टूबर को लखनऊ में होने जा रही है। मेरा सौभाग्य है कि इन सभी संगोष्ठियों का संयोजन करने का अवसर मुझे प्राप्त हुआ है।

साधना शिविरों से जुड़ा युवावर्गः मुनिश्री के सान्निध्य में प्रतिवर्ष दसलक्षण महापर्व के अवसर पर आयोजित साधना शिविर में बड़ी संख्या में युवक-युवतियां सम्मिलित होकर नैतिक संस्कारों से जुड़ती हैं। दस दिन में मुनिश्री द्वारा दिए गए अनेक जीवन उपयोगी सूत्रों से युवावर्ग लाभान्वित होता है।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठाएं: जहाँ आप युवा वर्ग को धर्म, संस्कारों, संस्कृति से जोड़कर जीवंत प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं वहीं आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक प्रतिष्ठाओं के माध्यम से पाषाण को संस्कारित कर भगवान बनाया गया है।

द्वय मुनिराजों का आपस में वात्सल्यः मुनि श्री के साथ परम पूज्यमुनि श्री प्रणतसागर जी हैं जिनकी जन्मभूमि ललितपुर नगरी है, मुनिश्री मनोज्ञ, ध्यानी, सरल-स्वभावी हैं। मुनिराजों का आपस में वात्सल्य एवं समन्वय भी आज के परिपेक्ष्य में अनुकरणीय व स्तुत्य है। मुनिश्री के सान्निध्य में विगत वर्ष में कुछ समाधियां भी सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई हैं।

अमृतोद्भव पावसयोग-2024 लखनऊ में प्रभावनामयी आयोजनः मुनिश्री का प्रत्येक वर्षायोग ऐतिहासिक होता है। लखनऊ में भी अमृतोद्भव पावसयोग में अनेक प्रभावनामयी आयोजनों की श्रृंखला निरंतर जारी है। जिनमें कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं- 07 जुलाई 2024 को भव्य मंगल प्रवेश लखनऊ में हुआ तथा 20 जुलाई को पावसयोग कलश स्थापना की गई। 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा मनाई गई जिसमें लखनऊ के साथ ही अनेक स्थानों से आकर भक्तों ने गुरु गुणानुवाद किया। मुझे भी इस पल का साक्षी होने का सौभाग्य मिला। 22 जुलाई को वीरशासन जयंती मनाई गई। 11.8.24 से 19.8.24 तक डालीगंज में इंद्रध्वज महामण्डल विधान भक्ति श्रद्धा के साथ हुआ। 11 अगस्त को मुकुट सप्तमी (मोक्षसप्तमी) मनाई गई।19 अगस्त को वात्सल्य पर्व रक्षाबंधन मनाया गया। 08 सितम्बर से 17 सितम्बर 2024 तक समायसारोपासक साधना संस्कार शिविर काकोरी में भारी उल्लास के साथ आयोजित हुआ। यह ऐतिहासिक आयोजन था,ज्ञात जानकारी के अनुसार लखनऊ के इतिहास में पहली बार संस्कार शिविर का आयोजन हुआ। 18 सितम्बर को सामूहिक क्षमावाणी का कार्यक्रम हुआ। 21,22 सितम्बर को गणाचार्य श्री विरागसागर जी व्यक्तित्व एवं कृतित्व राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का आयोजन पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सआदतगंज में हुआ। आचार्यश्री के समाधि के बाद यह पहला आयोजन था जो आचार्यश्री के व्यक्तित्व-कृतित्व को समर्पित था। 6 अक्टूबर 24 को गुरु उपकार पर्व (दीक्षादिवस) प.पू. मुनि श्री प्रणतसागरजी महाराज का मनाया गया। आगामी आयोजनों में 17 अक्टूबर को गोद भराई का कार्यक्रम होगा जिसमें आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के कर कमलों से होने जा रही जैनेश्वरी दीक्षाओं के दीक्षार्थियों की गोद भराई होगी। आगामी 19, 20 अक्टूबर को मेरी भावना पर राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी सआदतगंज में आयोजित होगी। जिसके निर्देशक डॉ श्रेयांस कुमार जी जैन एवं संयोजन का सौभाग्य मुझे (डॉ सुनील संचय) को प्राप्त हो रहा है।

लखनऊ में 16वां दीक्षा दिवसः मुनिश्री का 2024 का मङ्गल वषा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विविध प्रभावनामयी आयोजनों के साथ चल रहा है। 14 अक्टूबर को सआदतगंज लखनऊ में मुनिश्री का 16वां मुनि दीक्षा दिवस त्रिदिवसीय विविध आयोजनों के साथ अगाध श्रद्धा पूर्वक मनाया जाएगा, जिसमें मुनिश्री के भक्तगण दूरस्थ स्थानों से भी सम्मिलित होंगे। जिसमें 12 अक्टूबर को उपनयन संस्कार और 13 अक्टूबर को दंपत्ति मूलगुण संस्कार का आयोजन भी भव्यता के साथ होंगे। मुनिश्री के साधनामयी तेजस्वी जीवन को शब्दों की परिधि में बांधना संभव नहीं है ।यह सूर्य को दीपक दिखाना और सिंधु को बिंदु जैसा है ।

दीक्षा कल्याणक को प्राप्त करें: हमारे आराध्य पंच परमेष्ठी में साधु परमेष्ठी को गौरवान्वित कर रहे हैं। आप पांचों पदों को प्राप्त करें और इस दीक्षा दिवस पर उनके चरणों में नमोस्तु करते हुए भावना भाता हूं कि आपका दीक्षा कल्याणक भी हमें मनाने को मिले ।दीक्षा दिवस पर यही भावना भाता हूं कि तपोवर्धन एवं स्व-पर कल्याण के निमित्त आप सदा स्वस्थ रहें, दीर्घायु होकर श्रमण संस्कृति- जैन धर्म की असीम प्रभावना करें और आशीर्वाद प्रदान करते रहें जिससे हम अपने जीवन को ज्योतिर्मय बना सकें। सादर नमोस्तु !

नाटकवाला अभिनयशाला रंगमंच कार्यशाला में तैयार तीन नाटक की प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

रवींद्र मंच पर आंगिक, वाचिक, सात्विक और आहार्य अभिनय के चार रूप देखने को मिले। अवसर था ''नाटकवाला अभिनयशाला'' रंगमंच कार्यशाला में तैयार ''जीवन के रंग प्रकृति के संग'' आयोजन में खेली गई तीन प्रस्तुतियां। रंगमंच कलाकार ओम प्रकाश सैनी के निर्देशन में नाटक पतंग और पेड़ का मंचन आंगिक अभिनय प्रस्तुति रूपतंग और पेड़रू का मंचन किया गया जिसका लेखन ओम प्रकाश सैनी द्वारा किया गया है ' नाटक में पेड़ बचाओ और पेड़ लगाओ का संदेश देता है ' नाटक की कहानी में दशार्या गया है की एक गरीब परिवार का बच्चा राजू जिसके पास पतंग नहीं है न पतंग खरीदने के लीये पैसे, और जब वो पतंग लूटने जाता है तो बड़े बच्चे उसके पतंग लुटने नहीं देते ' तो वो भगवान से प्रार्थना करता है की नीम के पेड़ पे अटक जाये तो वो पतंग उतार लेगा ' वही दूसरी और एक अमीर परिवार का

बच्चे सोनू को पतंग उड़ानी नहीं आती तो उसकी पतंग नीम के पेड़ में अटक जाती है और अपने पापा से जिद करके पेड़ कटवा देता है ' तो गरीब बच्चे राजू को जब मालूम होता है किसी ने पेड़ कटवा दिया तो बहुत दुखी होता है ' और भगवान से नाराज हो जाता है किन्तु जीवन की इस परेशानी में भी उसे एक उपाय सूझता है और वो वहा फिर से एक नया नींम का पेड़ लगता है ' और ये सब सोनू और उसके पापा देखते है तो उन दोनों को अपने किये पर पश्चाताप होता है ' और सोनू अपनी गलती को सुधारने के लीये ' मोनू को अपनी पतंग दे देता है और उससे वादा करता है की नीम के पेड़ में पानी देकर वो उसे बड़ा करेगा। साथ ही दूसरी प्रस्तुति बेहरूपिया लोक कलाकार सुनील सोगन की प्रस्तुति 'जोकर' बेहरूपिया कलाकारों के जीवन की व्यथा को इंगित करती प्रस्तुति में सात्विक और आहार्य अभिनय नजर आया। उनके जीवन में भले ही कितने भी दुख हो किन्तु वो दुनिया को हर दम हंसाने का काम करते है ' जैसे प्रकृति भी हर पर जीवो को कुछ ना कुछ देती रहती है वैसे ही हमारे गमो को परे रख हमें हमेशा खुशियों के पल तलाश करते रहना चाहिए है हर पल खुशी से जीना चाहिए। जीवन में जीवन को सुदृड़ता के साथ, मेहनत के साथ जीना ' कभी जीवन में किसी भी परेशानी से हताश होकर हर नहीं मानना चाहिए। जीवन के रंग प्रकृति के संग की अंतिम प्रस्तुति रही स्वयं श्रीवास्तव जी की लिखी कविता से प्रेरित शायरी को कलाकार सम्राट बिजेंद्र सिंह अवाना ने वाचिक अभिनय से बखूबी मंच पर उतारा निर्देशक ओम प्रकाश सैनी ने तीनों प्रस्तुतियों को एक माला में पिरोकर 'जीवन के रंग प्रकृति के संग' हमें भी प्रकृति के संग तालमेल मिलाकर चलते रहना चाहिए। मंच पर मुख्य कलाकारों में ओम प्रकाश सैनी, सुनील सोगन, बिजेंद्र सिंह, घनश्याम जांगिड़ रहे। मंच प्रकाश व्यवस्था, मंच सज्जा-विकास सैनी, संगीत संयोजन-प्रवीण कुमावत, परिकल्पना लेखन निर्देशन-ओम प्रकाश सैनी, सहायक निर्देशक - अंजली सैनी मंच सामग्री-युग सैनी, अवनी सैनी, मुख सज्जा-सुनील सोगन मंच प्रबंधक - विवेक शर्मा, सह सयोजक - नाटकवाला कला मंच आमेर।

नाटक 'पूस की रात' का हुआ मंचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

युवा रंगकर्मी अभिनेता निर्देशक विकास सैनी के निर्देशन में शुक्रवार कों रविंद्र मंच पर नाटक ''पूस की रात'' का मंचन किया गया ' जिसके लेखक है मुंशी प्रेमचंद जी जिसका नाट्य रूपान्तरण ओम प्रकाश सैनी द्वारा किया गया हैं ' नाटक का मंचन कला साहित्य संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग तथा रविंद्र मंच के सहयोग से टैगोर थियटर योजना के अंतर्गत किया गया। कथा सार - ''मुंशी प्रेमचंद'' द्वारा लिखी यह कहानी भारत के गरीब किसान की दुर्दशा को दिखाती है की हल्कु किसान किस तरह कठिन परिश्रम करता है लेकिन उसकी आर्थिक स्थिति दयनीय रहती है, ज्यों की त्यों गरीबी वाली रहती है।जो कठिन परिश्रम करने के बाद भी अपने लिए पर्याप्त साधन नही जुटा पाता है। हल्कू एक गरीब किसान है उसकी एक पत्नी है मुन्नी, उसके साथ वो टूटे-फूटे घर में रहता है। पूस का महीना है,मुन्नी ने किसी तरह दिन प्रतिदिन हल्कू की मजूरी से एक एक पैसा करके जोड के 3 रुपये इकट्ठा किए ताकि पूस की सर्द रातों से ठंड से बचने के लिए नया कंबल खरीद सके ताकि रात में खेतों की रखवाली के लिये वो काम आये। लेकिन उसका एक कर्जदार सहना महाजन अपने कर्ज की वसूली के लिए आ जाता है और उसे वो 3 रुपये देने पड़ते हैं। सर्दी ओर कड़ाके की ठंड पड़ने लगती है, जानवरों से खेत की रक्षा के लिए वह फटा पुराना कंबल लेकर ही अपने कुत्ते जबरा के साथ खेत रखवाली करने को चला जाता है। कड़कड़ाती ठंड में पुराने कंबल के सहारे ठंड का सामना नहीं कर पाता। वह अलाव जलाकर अपनी ठंड को दूर करने की कोशिश करता है, लेकिन वह ठंड का सामना नहीं कर पाता और अंततः ठंड के आगे हार मानकर कंबल ओढ़ कर अलाव के पास सो जाता है। जिन खेतों की सुरक्षा के लिए रात में कड़कड़ाती ठंड में हल्कू आया था, वह उनकी सुरक्षा नहीं कर पाता और रात में पशु नील गाये सारा खेत चर जाती

हैं। कलाकारो ने अपने दमदार अभिनय के माध्यम से बताया कि कैसे एक गरीब किसान जो अत्यंत ही गरीब है वह किस तरह जीवन के कठिन संघर्षों से जूझता है। इस प्रस्तुति के द्वारा यह भी बताने की कोशिश की है कि हमारे किसान किस तरह कठिन परिस्थितियों में जी रहे हैं। आखिर वे भी इंसान ही हैं प्रकृति के कठोर आपदाओं का गरीब असहाय किसान सामना नहीं कर पाते और फलस्वरूप अपना सब कुछ गंवा बैठते हैं। जैसे कि हल्कू किसान ने किया, ठंड का वह सामना नहीं कर पाया और सोता रह गया और अंततः उसके खेत जानवरों द्वारा चर लिए गए। नाटक के मुख्य कलाकारों में है : मंच पर - ओम प्रकाश सैनी, अंजली शर्मा, विपिन शर्मा, बिजेंद्र सिंह अवाना, विवेक शर्मा, मंच परे कला निर्देशक - विपिन शर्मा, मंच सहायक - संजय शर्मा, राकेश राव, वस्त्र विन्यास-सुनीता सैनी, रूप सज्जा हिमांशी सैनी, ध्वनि एवं संगीत प्रवाह प्रवीण कुमावत, प्रकाश व्यवस्था राजीव मिश्रा, वीडियोग्राफी - राज आशिवाल, मंच प्रबंधन विवेक माथुर ,परिकल्पना एवं निर्देशन विकास सैनी, सहायक निर्देशक - अंजली सैनी।

विजयादशमी पर श्रीराम कथा सेवा समिति ने गौशाला को भेंट की दवाईयां

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। विजयादशमी के शुभ अवसर पर शनिवार को श्रीराम कथा सेवा समिति भीलवाड़ा की ओर से श्री हरणी महादेव स्थित श्री कृष्ण गौशाला को असहाय गौवंश की सेवा के लिए दवाईयां भेंट की गई। श्री राम कथा सेवा समिति के अध्यक्ष गजानंद बजाज ने बताया कि श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर के पूज्य महन्त बाबूगिरीजी महाराज के मार्गदर्शन में समिति के पदाधिकारियों ने गौशाला पहुंचकर बीमार गौवंश के उपचार के लिए जरूरी औषधियां गौशाला संचालन समिति को भेंट की ओर भविष्य में भी गौवंश की सेवा में समर्पित रहने की भावना व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इस गौशाला में बीमार ओर असहाय गौवंश की सेवा होती है। सेवा के इस कार्य में सहभागी बनने वालों में समिति के उपाध्यक्ष बद्रीलाल सोमानी, रामेश्वरलाल ईनाणी, महासचिव पीयूष डाड आदि पदाधिकारी शामिल थे। उन्होंने बताया कि पीड़ित मानवता व गौवंश की सेवा के लिए समिति निरन्तर समर्पित भाव से कार्य करते रहेंगी।

इंसानियतता ही नैतिकता की जनक है: गुरुमां विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी राजस्थान में विराजमान परम पूज्य भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरुमां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में प्रतिक जैन सेठी ने बताया की आज कि शांति धारा करने का सौभाग्य प्रवीण जैन लालसोट वाले शिवदासपुरा वालों ने प्राप्त किया। इसी के साथ गुरु भक्त संजय जयपुर वालों ने पूज्य गुरु मां का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।संघस्थ आर्यिका ज्ञेयकश्री माताजी के चौथे दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में पूज्य गुरु मां के पाद प्रक्षालन,शास्त्र भेंट करने का अवसर भक्तों को प्राप्त हुआ। प्रतिक जैन सेठी ने बताया कि रांची से आए हुए भक्तों ने निमार्णाधीन सहस्त्रकूट जिनालय का अवलोकन कर क्षेत्र की वंदना एवं गुरु मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्तों को आशीर्वचन देते हुए पूज्य माताजी ने कहां कि देश के विकास की बागडोर नई पीढ़ी के हाथ में है। आज उन्हें मौज मस्ती एवं भोग के साधन देने के साथ-साथ बौद्धिक स्तर पर विकास करने का आयाम करना चाहिए। मन में पैदा होने वाली कषाये,द्वेष भाव,हिंसात्मक वृत्ति को कैसे संयमित किया जाए इसका उदाहरण देने की अत्यंत आवश्यकता है। इंसानियतता ही नैतिकता की जनक है। अच्छे संस्कारों से सुसज्जित बालक ही उज्ज्वल देश की बागडोर को संभालने में सक्षम बन सकता है। बंशीलाल शाह चेची सपरिवार द्वारा विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर भक्तामर दिपार्चना का आयोजन कराया गया।

श्री शांतिनाथ भगवान का महा मस्तकाभिषेक हुआ

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। स्थानीय श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में 1008 श्री शांतिनाथ भगवान का महा मस्तकाभिषेक परम पुज्यनीय आर्यिका श्री 105 श्रुतमती माताजी, आर्यिका श्री 105 सुबोधमति माताजी संसघ सानिध्य मे भक्ति संध्या के साथ भगवान शांतिनाथ का महा मस्तकाभिषेक किया गया, जलकलश हजारीमल, पाडंया कलकत्ता, इक्षुरस रामावतार, अनिल,गणेश जैन फागी, घ्रतकलश कंवरीलाल काला जयपुर, दुग्ध कलश वीरेन्द सुनीता सहारनपुर,दधीकलश महावीरप्रसाद अरविंद बडजात्या किशनगढ़, लालचंदन कलश कपूर जैन महावीर जैन, राजकुमार मांदीवाले फागी, हरिद्रा कलश रामोवतार जैन जयपुर, सर्वाषधि कलश सुमित ऐरादेवी जैन रांची निवासी लन्दनप्रवासी,चंदनलेपन पुष्प वृष्टि कलश सुनील जैन पंसारी जयपुर,चर्तुथकोण कलश लक्ष्मण, विमल राजकुमार कासलीवाल चौरु, सुगंधित कलश राजकुमार रचित कोठ्यारी जयपुर नारियल पानी कलश महावीर प्रसाद, पंकज ठोलिया जोबनेर, शांतिधारा आरती फुलमाल स्व.गिर्राज प्रसाद सुनील, पदम सुदीप पंसारी सपरिवार जयपुर सभी महानुभावों का ट्रस्ट मंत्री राजकुमार कोठ्यारी एंव योगेश टोडरका, संजय व्यवस्थापक ने तिलक माला से स्वागत किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

केसरिया-केसरिया आज हमारो रंग केसरिया...

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में पूजा विधान का आयोजन, 52 जिनालयों में 5616 जिनबिम्बों की आठ दिवसीय आराधना का झण्डारोहण से हुआ शुभारंभ। नन्दीश्वर द्वीप महामण्ड़ल विधान में जयकारों के साथ पहले दिन चढाये 540 अर्घ्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में धरती पर जैन धर्म के सबसे बडे पूजा विधान का जयपुर में पहली बार 13 अक्टूबर से आठ दिवसीय महामह नंदीश्वर पूजा विधान के विशाल आयोजन रविवार को भव्य शुभारंभ हुआ। पहली बार जयपुर में मानसरोवर के सेक्टर 9 स्थित सामुदायिक केन्द्र पर 52 जिनालयों की स्थापना की जाकर 5616 जिनबिम्बों की एक साथ एक स्थान पर आठ दिवसीय संगीतमय आराधना के इस आयोजन का ध्वजारोहण से शुभारंभ किया गया । श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि आयोजन के लिए आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के सानिध्य में कुण्डलपुर (मध्य प्रदेश) में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रतिष्ठित 5616 जिन बिम्बों को सतना से जयपुर लाया गया है। अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज द्वारा रचित इस महामह विधान का रविवार को प्रातः 6.15 बजे से सोधर्म इंद्र शीतल, अनमोल कटारिया परिवार के नेतृत्व में हुआ ' इससे पूर्व श्रीजी को मंदिर जी से जुलूस के रूप में नाचते गाते पांडाल में लाया गया। पाण्डाल शुद्धि के बाद पांडुक शिला शुद्धि की क्रियाएं की गई । जयकारों के बीच महोत्सव का ध्वजारोहाण व्रती डी सी जैन परिवार ने किया ' मुनिश्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य अशोक- मैना, सुधांशु अपेक्षा जैन झाग वालो को प्राप्त हुआ ' श्री जी के अभिषेक के बाद विधान प्रारंभ हुआ पूर्व दिशा के अंजन दधिमुख गिरवर पर जो जिनालय हैं उनसे पूजा का प्रारंभ हुआ। सभी पूर्व दिशा स्थित चारों दधिमुख गिरि स्थिति जिनालय के मंत्रोच्चार के साथ अर्घ समर्पित किए गए।नन्दीश्वर द्वीप महामह विधान में रविवार को 540 अर्ध चढ़ाए गए। पूजा के दौरान केसरिया केसरिया आज हमारो रंग केसरिया....., नन्दीश्वर द्वीप महान....., बाजे छे बधाई राजा... जैसे भजनों पर श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किये। इस मौके पर मुनिश्री ने अपने प्रवचन में नन्दीश्वर द्वीप महामह विधान का महत्व समझाया। उन्होंने जैन श्रद्धालुओं से कहा कि एक बार आकर नंदीश्वर द्वीप की रचना के दर्शन अवश्य करने चाहिए ' जयपुर में एक स्थान पर इतने सारे जिनालय देखना अपने आप में बहुत दर्शनीय है।इस पूजा विधान में जयपुर सहित

फोटोः कुमकुम फोटो
साकेत, 9829054966

पूरे देश से सैकड़ो से श्रद्धालु शामिल हुए। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक सोमवार को प्रातः 6.15 बजे से अभिषेक, शांतिधारा के बाद नित्य नियम पूजा होगी। तत्पश्चात नन्दीश्वर द्वीप महामह पूजा विधान प्रारंभ होगा। जिसमें 864 अर्घ्य चढाये जाएगें। पूजा विधान के दौरान प्रातः 8.15 बजे मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि रविवार, 13 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में होने वाले आठ दिवसीय महामह नंदीश्वर पूजा विधान में बैठने के लिए जयपुर शहर के विभिन्न जैन मंदिरों से आने जाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई है। पूजा विधान में बैठने वाले इन्द्र-इन्द्राणियो के लिए कार्यक्रम समापन पर शुद्ध भोजन की व्यवस्था की गई है।

रिपोर्टः विनोद जैन कोटखावदा

स्वर्गीय माता श्री कौशल्या देवी जी की 28वीं पुण्यतिथि पर 150 दिव्यांग परिवारों को किया राशन वितरित

16 को होगा ट्राई साइकिल वितरण, 20 निशुल्क नेत्र चिकित्सा एवम प्रत्यारोपण तथा 21 अक्टूबर को होगा विशाल रक्तदान शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्वर्गीय माता श्री कौशल्या देवी जी की 28वीं पुण्यतिथि पर वरिष्ठ समाज सेवी एवं गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान डॉ. नरेश कुमार मेहता ने महावीर इंटरनेशनल में एक विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर 150 दिव्यांग जरूरतमंदों को राशन वितरित किया गया और सामूहिक भोज की व्यवस्था की गई। इस कार्यक्रम में प्रमुख समाजसेवी लक्ष्मीनारायण नागोरी, शिक्षा समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप डोसी, जैन सोशल ग्रुप के विनोद जैन और महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष सुभाष गोलेछा के साथ कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। नरेश मेहता ने बताया कि सेवा की इस भावना को आगे बढ़ाते हुए, 16 अक्टूबर को निज आवास 'गिरनार' पर ट्राइसाइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं भाजपा नेता रामचरण बोहरा मुख्य अतिथि रहेंगे, एवं कांग्रेस की वरिष्ठ नेता अर्चना शर्मा भी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगी। कार्यक्रमों की इस श्रृंखला में, 20 अक्टूबर को पदमपुरा स्थिति अस्पताल 'पद्म ज्योति नेत्र चिकित्सालय' में नेत्र रोगियों के लिए ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी,वहीं 21 अक्टूबर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा, जहां समाजसेवी बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाएंगे।

आज के युग में संगठन काम आयेगा संगठित होने की जरूरत है: मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

मध्यप्रदेश जैन समाज का पहला सम्मेलन सागर में सम्पन्न, प्रदेश भर के सामाजिक प्रतिनिधियों ने किया चिंतन

सागर. शाबाश इंडिया

अब जुड़ने के अलावा कोई चारा नहीं है आज के युग में संगठन काम आयेगा सभी को संगठित होकर काम करने की आवश्यकता है पहले तो मैं आप लोगों की तरह ही सम्मेलन को सुन रहा था लेकिन आप लोगों के उत्साह को देखकर लगता है कि सभी कुछ करने के लिए संकल्पबद्ध है। काम करने वाले कर्म शील को ही भगवन का आशिर्वाद प्राप्त होता है, संगठन मे संत वाद ओर पंथवाद नही होगा उक्त आश्य केउद्गार भाग्योदय तीर्थ सागर में मध्य प्रदेश जैन समाज के पहले अधिवेशन को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इसके पहले सम्मेलन के शुभारंभ में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण आई ए एस शोभित जैन वीरेश दादा प्रमोद हिमासू भोपाल पारस जैन उज्जैन एस के जैन गुना सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया। दीप प्रज्जवलन सम्मेलन अध्यक्ष राकेश वावा सम्मेलन समन्वय विजय धुर्रा तीर्थ कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सुधीर सिंघई राकेश जैन एस डी ओ मोहित जैन तहसीलदार दमोह चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष सतेन्द्र जैन सट्टू स्वागध्यक्ष आशीष ने पटना महामंत्री राजकुमार मिनी संयोजक रिषभ वादरी सहित अन्य भक्तों ने किया।

सम्मेलन में राष्ट्रीय संगठन की नींव रखी जायेगी: विजय धुर्रा

सम्मेलन के पहले अधिवेशन समन्वय विजय धुर्रा ने कहा कि आज मध्यप्रदेश जैन समाज का पहला सम्मेलन होने जा रहा है सम्मेलन का कोई एजेंडा हमारे सामने नहीं आया हम सब परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के दिशा निर्देश मार्ग दर्शन को लेकर आगे बढ़ने जा रहे हैं। जिस तरह से पूरे प्रदेश से प्रतिनिधि उमड़े है उससे ये तय हो गया आज का दिन मध्यप्रदेश जैन समाज के लिए ऐतिहासिक है और पहले ही सम्मेलन से प्रदेश के साथ ही राष्ट्रीय संगठन निकलेगा।

सामाजिक चिंतन के साथ तीर्थों की सुरक्षा पर विचार हो

तीर्थ क्षेत्र के राष्ट्रीय मंत्री वीरेश सेठ ने कहा कि वर्षो से तीर्थ क्षेत्र कमेटी सम्मेद शिखर गिरनार की लड़ाई लड़ रही है इसके साथ सामाजिक चिंतन की आवश्यकता है। पूर्व अध्यक्ष सुधीर सिघई ने कहा कि मुनिपुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में पहली बार पूरे प्रदेश की जैन समाज एक साथ बैठकर आपके आशीर्वाद की प्रतीक्षा कर रही है। तहसीलदार मोहित जैन ने कहा कि आज हमें मन्दिरो की सम्पत्तियो को रजिस्टेड ट्रस्टो में रखने की आवश्यकता है। पारस जैन उज्जैन ने कहा कि सोशल मीडिया पर अनर्गल प्रलाप से समाज को बचाये जाना आवश्यक है ।

पूज्य श्री का मार्गदर्शन ही संगठन का आधार होगा- आई ए एस शोभित जैन

सम्मेलन को संबोधित करते हुए आई ए एस शोभित जैन ने कहा कि परम पूज्य मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में हम सब बैठ कर कुछ करने जा रहे हैं पूज्य श्री का मार्गदर्शन ही संगठन का आधार होगा इस दौरान सम्मेलन संयोजक प्रमोद हिमासू अध्यक्ष राकेश वावा सहित अन्य लोगों ने भी संबोधित किया प्रारंभ में संयोजक चक्रेश सिंघई ने कहा कि आज जो सागर में होने जा रहा उसकी हमने कल्पना नहीं की थी एक एक लकड़ी को तो कोई भी तोड सकता है लेकिन जव वहीं गड्ठा वन जाता है तो उसे कोई नहीं तोड़ सकता अमित पंडरिया ने कहा कि पंडाल में बेटी जनता आस लगाए बैठी है कि आज कुछ तो ऐसा होने वाला जिसका सभी को इंतजार था ।इस दौरान विधायक शैलेन्द्र जैन, पूर्व विधायक सुनील जैन, पूर्व विधायक श्रीमति सुधा जैन धर्म सभा में विशेष रूप से उपस्थित रहीं। वहीं कवि सौरव भंयकर ने अपनी कविताओं से श्रोताओं मंत्र मुग्ध कर दिया।

मैं आपके उत्साह से प्रसन्न हूं

मुनि श्री ने कहा मैं आप के उत्साह को देखकर पूरी तरह समाज के साथ हूं मुनि श्री ने कहा संगठन मे शरीर के कोको नट अर्थात मस्तशक की समर्पण की जरूरत है संगठन मे सभी बराबर हो इस समेलन का लक्ष्य संगठन संचकार संस्कृति साईत्य शिक्षा सेवा के साथ ही चिकित्सा साहित्य और संस्कृति को सुरक्षित करने की आवश्यकता है। इस दौरान मध्यप्रदेश के सभी नगरों जिले से पधारे प्रतिनिधियों को पूज्य श्री ने दोनों हाथों से आशीर्वाद प्रादान किया।

संत आशीर्वाद ही दे सकते काम आपको करना है

इस दौरान मुनि पुगंव श्री सुधा सागरजी महाराज ने कहा कि साधु के पास चिंतन मनन और सोच विचार मिलता है संत आशिर्वाद और मार्गदर्शन ही दे सकते है काम आपको करना होगा। अपेक्षा तो पुरी कर देगें पर आप मेरी उम्मीद को पुरा करेंगे काम कार्यकर्ता,को करना होगा आशिर्वाद हमारा है तो कोई भी काम असंभव नहीं हे मुनि श्री ने समाज के उत्साह उमंग की प्रशंसा करते हुऐ कहा कि कल्पना से ज्यादा उत्साह को दोनो हाथो से आशीष हैं उन्होंने ने कहा संगठन की अत्यधिक आवश्यकता है जैन दर्शन मे भगवन काम करने वालो को होशला और साहस देते है जिनवाणी के मंत्र हमे और आपको सिद्ध करना है।

भव्य दीक्षा महोत्सव में चांदपुर दिमनी के नत्थीलाल जैन ने स्वीकारा संयम जीवन

अजय जैन. शाबाश इंडिया

फिरोजाबाद । संसार के भोग विलास को त्याग कर संयम के पथ पर बढ़ना, त्याग के पथ पर बढ़ना कोई सरल कार्य नहीं है. कोई विरले ही होते है जो आज के युग में भी भौतिक आकांक्षाओं का त्याग कर आत्मा के उद्धार का मार्ग स्वीकार कर लेते है। कुछ ऐसा ही विरला दृश्य रविवार को आचार्य वसुनंदी महाराज के चातुर्मासिक स्थल फिरोजाबाद में देखने को मिला जहा चांदपुर दिमनी के नत्थीलाल जैन ने संयम जीवन को स्वीकार कर अपना जीवन आत्मा के उद्धार एवं परोपकार के लिए समर्पित कर दिया। यहाँ आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज के पावन सान्निध्य में भव्य जैन दीक्षा समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें तीन दीक्षा प्रदान की गई। आचार्य श्री के सानिध्य में दीक्षा समारोह से श्रद्धालुओं का उत्साह द्विगुणित हो गया। हजारों की संख्या में विशाल जन समुदाय इस भव्य दीक्षा समारोह का साक्षी बनने उपस्थित था। भव्य समारोह में आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज ने विशाल संघ की उपस्थिति में नत्थी लाल जैन को विधि-विधान पूर्वक क्षुल्लक दीक्षा प्रदान कर दयानंद जी महाराज नाम प्रदान किया । उन्हें नवीन पिच्छी व कमंडल तथा शास्त्र भी भेंट किए गए।आयोजन में ध्वजारोहण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन आदि धार्मिक कार्य भी संपन्न कराए गए। समारोह में दूर-दूर से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में आचार्य श्री का आशीर्वाद लेने के लिए राज्यसभा सांसद नवीन जैन भी पधारे। इस अवसर पर आर्यिका संघ भी मौजूद था।आयोजन में जैन संत वसुनन्दी जी महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में दीक्षा लेना बड़ा ही कठिन कार्य है। यूं कहें कि कांटों से भरा ताज पहनने के समान है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। किंतु यदि हम किसी कठिन कार्य को करने की ठान लें तो फिर वह कार्य भी सरल ही लगने लगता है। जैनेश्वरी दीक्षा बिरले ही ले पाते हैं क्योंकि यह संयम का मार्ग है। इस पर चलना स्वयं के जीवन को परिवर्तित कर मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर करना है। उन्होंने कहा कि जीवन के किसी भी क्षण में वैराग्य उमड़ सकता है, संसार में रहकर प्राणी संसार को तज सकता है। इससे पहले जैनाचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज से ब्रह्मचारी ब्रह्म प्रकाश भैया उर्फ.नत्थी लाल जैन ने क्षुल्लक दीक्षा देने के लिए निवेदन किया। आचार्यश्री ने उनकी की संयम साधना को देखते हुए उन्हें दीक्षा की स्वीकृति प्रदान की। दीक्षा देने से पूर्व आचार्य श्री ने ब्रह्मचारी ब्रह्म प्रकाश भैया के परिजनों, रिश्तेदारों, उपस्थित जन समुदाय एवं संघस्थ सभी साधुओं से दीक्षा के लिए स्वीकृति प्राप्त की। इस दौरान दीक्षार्थी ने संसार के सभी जीवों से जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा याचना की और अपनी ओर से सभी जीवों को क्षमा किया। आयोजन में नत्थी लाल जैन के परिजन संतोष जैन, नीलेश जैन एवं दीपक जैन सहित मुरैना के लगभग चार सैकड़ा लोग मौजूद थे।

दीक्षा देने से पूर्व आचार्य श्री ने ब्रह्मचारी ब्रह्म प्रकाश भैया के परिजनों, रिश्तेदारों, उपस्थित जन समुदाय एवं संघस्थ सभी साधुओं से दीक्षा के लिए स्वीकृति प्राप्त की। इस दौरान दीक्षार्थी ने संसार के सभी जीवों से जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा याचना की और अपनी ओर से सभी जीवों को क्षमा किया।

आचार्य शांतिसागर महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी समारोह के अवसर पर ट्राई साइकिल एवं सिलाई मशीन वितरित की

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

आचार्य शांतिसागर महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में मोहनलाल, सोहनलाल, मिश्रीलाल काला चैरिटेबल ट्रस्ट कोलकाता की ओर से जरूरतमंदों को ट्राई साइकिल एवं सिलाई मशीन वितरित की गई। सुजलांचल विकास समिति की प्रेरणा से माहेश्वरी सेवा सदन में आयोजित कार्यक्रम में सभापति नीलोफर गोरी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रही। समिति उपाध्यक्ष महावीर पाटनी ने बताया कि काला ट्रस्ट द्वारा सामाजिक सरोकार के कई कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इसी कड़ी में शहर के दिव्यांगो को ट्राई साइकिल व जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन का वितरण किया गया है। इस अवसर पर भामाशाह परिवार के कंवरीलाल, मोतीलाल, जवाहर लाल, माणक चन्द, अजीत काला, रवि काला मंच पर मौजूद थे। समिति की ओर से काला परिवार के ट्रस्टी कंवरीलाल काला का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में श्री दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सडूवाला, मंत्री पारसमल बगड़ा, भामाशाह प्रकाशचंद पाटनी, समाजसेवी खेमचंद बगड़ा, लालचंद बगड़ा, विनीत बगड़ा सहित बड़ी संख्या में प्रवासी समाज के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व पार्षद उषादेवी बगड़ा ने किया।

नेट-थियेट पर राजस्थानी लोकनृत्य

'टूटे बाजूबंद री लूम लट उलझी-उलझी जाए और कालबेलिया नृत्य' ने किया मंत्रमुग्ध

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेटथियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में इंडिया इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डांस एंड म्यूजिक की ओर से विजयादशमी के पर्व पर राजस्थानी लोकनृत्यों की ऐसी छटा बिखेरी की राजस्थान की माटी की खुशबू ने सतरंगी इंद्रधनुष परिलक्षित कर राजस्थान की संस्कृति को पेश किया। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकारों ने कार्यक्रम की शुरूआत राजस्थान के सुप्रसिद्ध लोकगीत बाजे छ नौबत बाजा महाराज डिग्गीपूरी का राजा पर मनोहारी नृत्य से की। इसके बाद उन्होंने लोकनृत्य टूटे बाजूबंद री लूम लट उलझी उलझी जाए और अंत में राजस्थान का सुप्रसिद्ध लोक नृत्य कालबेलिया काल्यो कूद पड्यो मेला में साइकिल पंचर कर ल्यायो को देखकर दर्शक मस्ती से झूम उठे। कथक नृत्य गुरु श्वेता गर्ग के निर्देशन में रक्षिता शेखावत, अन्वी जैन, रूपल राठी और किया तिवारी ने लोकनृत्यो की प्रस्तुति से दर्शकों को आनंदित किया। कार्यक्रम में अमेरिका से पधारे के एंड्रयू बेल और इसाबेल लिंडहाइमर राजस्थानी लोक नृत्यों का आनंद लिया और साथ में नृत्य भी किया। उन्होंने खुशखरीद के देवेंद्र सिंघवी की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी, मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू और जिवितेश, संगीत सागर विनोद गढ़वाल एवं प्रकाश व्यवस्था वीरेंद्र सिंह राठौड़ की रही।

श्री पदमप्रभु जिनालय का हुआ भव्य भूमि शिलान्यास समारोह संपन्न

भक्तों ने बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर की शिलाएं स्थापित

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के मारुति स्टेट स्थित अवधपुरी कॉलोनी में प्रस्तावित श्री पदमप्रभु जिनालय का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह का आयोजन 13 अक्टूबर को विजय दशमी के पावन अवसर पर अवधपुरी कॉलोनी के गोपाल गार्डन मैरिज होम पर सानंद संपन्न हुआ। कार्यक्रम ध्यान गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य संपन्न हुआ। उन्होंने धर्मसभा में मंदिर और दान की महत्ता समझाई। अवधपुरी कॉलोनी में प्रस्तावित भूमि पर हुए कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि नवीन मंदिर निर्माण से जीवन में सुख-शांति आती है। मंदिर-में पूजा करने से धर्म और पुण्य प्राप्ति होती है। वहीं दान से अगले भव का निर्माण होता है। कार्यक्रम का ध्वजारोहण हीरालाल बैनाड़ा एवं श्रीमती बीना बैनाड़ा ने किया। कार्यक्रम के पंडाल का उद्घाटन अनिल अग्रवाल एवं अतुल अग्रवाल परिवार द्वारा किया। श्री पदमप्रभु जिनालय के ट्रस्टीयों ने समाधिस्थ आचार्यश्री विराग सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण कर एवं दीप प्रज्ज्वलन किया। बाहर से पधारे भक्तों ने उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज का पाद प्रक्षालन कर शास्त्र भेंट किए इस दौरान श्री पदमप्रभु जिनालय ट्रस्ट अवधपुरी परिवार एवं वात्सल्य सेवा समिति अवधपुरी ने उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ के समक्ष श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। अवधपुरी बालिका मंडल ने भक्ति गीत पर नृत्य कर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी।पंडित आशुतोष जैन शास्त्री एवं विधानाचार्य संदीप जैन शास्त्री के निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ नवनिर्मित श्री पदमप्रभु जिनालय के भूमि शिलान्यास के मुख्य शिला रखने का सौभाग्य वीरेंद्र जैन परिवार को मिला और साथ ही सौभाग्यशाली भक्तों ने मुख्य शिलाएं रखकर भूमि शिलान्यास की मांगलिक क्रियाएं संपन्न कराई। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि उपाध्याय श्री

विहसंत सागर जी महाराज ससंघ का 14 अक्टूबर को अवधपुरी से मंगल विहार जयपुर हाउस जैन मंदिर के लिए होगा । इस अवसर पर रोहित जैन अहिंसा,पारस जैन,जगदीश प्रसाद जैन,अभिनंदन जैन,इंद्रप्रकाश जैन,विशाल जैन,वीरेंद्र जैन,अजय जैन मास्टर,ओमप्रकाश जैन,राकेश जैन,अजय जैन,विवेक जैन,रवींद्र जैन,पंडित विवेक जैन,जयकुमार जैन,रवि जैन,प्रवीन जैन,नरेंद्र जैन, पीयूष जैन,मीडिया प्रभारी शुभम जैन, राजू गोधा,अंकेश जैन रश्मि जैन, करुणा जैन कविता जैन पुष्पा जैन, हेमलता जैन,मंजरी जैन,रागिनी जैन,रिंकी जैन,बीना जैन,समस्त कलाकुंज,अवधपुरी कॉलोनी के अलावा की विभिन्न शैलियों की जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

रिपोर्टः शुभम-जैन

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में प्रथम बार हुआ कलिकुंड पार्श्वनाथ मंडल विधान

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। 1008 श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में गणिनी गुरु मां 105 विमल प्रभा माताजी संघ सानिध्य में कलिकुंड पार्श्वनाथ महामंडल विधान भक्ति भाव से किया गया। रविवार की बेला में आयोजित हुए इस अनुष्ठान प्रारंभ करने से पूर्व मूल नायक श्री शांतिनाथ भगवान की पूजन कर अष्ट द्रव्य समर्पित किए गए। इसके पश्चात गणिनी आर्यिका 105 विमलप्रभा माताजी संघ सानिध्य में एवम क्षुल्लिका 105 सुमैत्रश्री माताजी एवं बाल ब्रह्मचारी प्रेममामा जी के निर्देशन में महामंडल विधान की समस्त क्रियाएं संपन्न हुई। मंडल पर प्रथम स्थापना करने का सौभाग्य महेश कटारिया रामगंजमंडी को प्राप्त हुआ। महामंडल विधान में अष्ट द्रव्य से भगवान पार्श्वनाथ की आराधना की गई। इसके पश्चात धरणेन्द्र एवं मां पद्मावती देवी की भक्ति आराधना की गई। सुरभी लुहाड़िया, शिप्रा विनायका से मिली जानकारी अनुसार अनुष्ठान के अंत में लवंग की आहुति दी गई एवं भक्ति भाव के साथ आरती की गई। महामंडल विधान में माँ पद्मावती भक्त मण्डल का विशेष सहयोग रहा। समाज की ओर से विधान को पूर्ण रूप से क्रिया विधि से संपन्न कराने हेतु प्रेमचंद जैन मामाजी(एटा वाले)का एवं कालू से पधारे माताजी के परम भक्त महावीर बोहरा का समाज अध्यक्ष दिलीप कुमार विनायका, उपाध्यक्ष चेतन बागड़ियां, कमल लुहाड़िया, महेश कटारिया, भागचंद पहाड़िया, शर्मिला पहाड़िया आदि की उपस्थिति में इनका अभिनंदन एवं स्वागत किया गया एवं इन्हें अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। -**अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

रोटरी क्लब नसीराबाद द्वारा क्लब के स्थापना दिवस पर किए फूड पैकेट वितरित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। नसीराबाद रोटरी क्लब ने अपने स्थापना दिवस पर फुड पैकेट वितरित किए। रोटरी क्लब अध्यक्ष मुकेश मित्तल ने बताया कि 13 अक्टूबर 2024 रोटरी का स्थापना दिवस है । रोटरी क्लब की स्थापना नसीराबाद में 13 अक्टूबर 1964 में हुई थी। आज नसीराबाद मैं रोटरी क्लब को गौरवशाली 60 साल पूरे हो चुके है। इस गौरवशाली 60 साल पूरे होने की खुशी में फूड पैकेट वितरित किए गए । फूड वितरित कार्यक्रम में सिटी थानाधिकारी घनश्याम मीणा का भरपूर सहयोग मिला। मीणा स्वयं मय स्टाफ पूरे कार्यक्रम में मौजूद रहे। रोटरी सेवा कार्य से जुड़ी एक संस्था है फिर चाहे वह कार्य शहर के सौंदरीकरण के लिए हो, विकास के लिए हो, स्वच्छता के लिए हो , चाहे मानव जाति की किसी भी सहायता के लिए हो रोटरी क्लब हमेशा अग्रसर रहता है। इसी के तहत सिटी थानाधिकारी घनश्याम मीणा के साथ यह कोशिश की कोई शहर में आज कोई भूखा ना सोए । इस पूरे कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष मुकेश मित्तल , सेक्रेटरी हिमांशु गर्ग , असिस्टेंट गवर्नर अमित तापड़िया , विजय मेहरा , सुनील , गुलशन, मनीष झंवर , भागचंद झंवर , प्रदीप अग्रवाल, राजेंद्र गर्ग , द्वारका प्रसाद , नंदकिशोर गर्ग सहित काफी संख्या में रोटरी साथी मौजूद थे।

प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती शांति सागर जी मुनिराज का आचार्य प्रतिष्ठापन शताब्दी दिवस वृहत स्तर पर समारोह पूर्वक मनाया गया

एक वर्ष तक जारी शताब्दी कार्यक्रम की शुरूआत

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य शांतिसागर जी मुनिराज को उनकी कठोर तप, साधना, आगम सिद्धांत के पालक, अद्भुत संघ क्षमता, निर्लिप्त भाव आदि गुणों से भरपूर एक सदी पूर्व आश्विन शुक्ल एकादशी वि. सं. 1981को श्रमण संघ द्वारा आचार्य पद पर आरूढ़ किया था, जिसे एक शतक वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रीय स्तर पर शताब्दी समारोह के रूप में वृहत स्तर पर मनाया गया। भट्टारक जी की नसियां में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ शिखर चंद कासलीवाल द्वारा चित्र अनावरण एवं प्रदीप चूड़ीवाल द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मंगलाचरण की प्रस्तुति राजेंद्र अनोपड़ा द्वारा की गई। पं. रमेश गंगवाल के निर्देशन में सौधर्म इंद्र सुनील जैन अग्रवाल परिवार द्वारा आचार्य श्री का साज बाजे एवं बड़ी ही श्रद्धा एवं भक्तिपूर्वक पूजन किया गया, जिसमे सभी उपस्थित बंधुओ ने सहभागिता की। आचार्य श्री की शांति ध्वजा का विमोचन सभी संस्थाओं से आए हुए अध्यक्ष, मंत्रियों द्वारा किया गया एवम शांति ध्वजा को लहराया गया। ध्वजारोहण श्रीपाल, सुरेश सबलावत परिवार द्वारा किया गया। आचार्य श्री के चित्र एवम स्वर्ण मुद्रा पुस्तिका का विमोचन आए हुए गणमान्य महानुभावों की उपस्थिति में हुआ। स्वागत उद्बोधन एवं आचार्यश्री के प्रति विनयांजलि महासभा राजस्थान प्रांत के अध्यक्ष कमल बाबू जैन द्वारा किया गया। अपने प्रबोधन में उन्होंने आचार्य श्री को दिगंबरत्व का उद्धारक बताया। तत्पश्चात राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष रमेश तिजरिया, डॉ. पी सी जैन, श्रीमहावीर जी तीर्थ क्षेत्र कमेटी अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, गुणस्थली तीर्थ के अध्यक्ष अशोक अनोपड़ा, इंद्रा बड़जात्या, पं. रमेश गंगवाल, बैंकर्स भागचंद जैन मित्रपुरा ने प्रथमाचार्य के प्रति उनके उपकारों का गुणगान करते हुए विनयान्जली प्रस्तुत की। अपने संबोधन में आचार्य श्री के प्रति कृतज्ञता प्रकट की और कहा कि आचार्यप्रवर ने उत्तर भारत में विलुप्त प्राय दिगंबर धर्म में श्रमण संघ बनाकर, देश के अनेक भागों में विहार कर दिगंबर प्रथा को जीवंत किया। महामंत्री राजेंद्र बिलाला ने मंच संचालन किया एवं अन्त में भागचंद जैन ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में स्थानीय समाज के अनेक संस्थाओं के गणमान्य समाज श्रेष्ठीजन सुभाष चंद जौहरी, धर्म चंद पहाड़िया, चंद्र प्रकाश पहाड़िया, अनिल दीवान, आलोक तिजारिया, मनीष बैद, प्रदीप जैन लाला, विनोद जैन कोटखावदा, पदम बिलाला, नवीन जैन बिल्टीवाला, सुगन चंद जैन, विनीत चांदवाड, महेंद्र बैराठी, संजय पांड्या, कमलेश बोहरा, धन कुमार, राजेश गंगवाल, कमल चंद सेवा वाले, राजेंद्र पापड़ीवाल, सुरेश बज, समाज की अनेक धर्म परायण महिलाएं आदि कार्यक्रम के सहभागी रहे।

विवेक विहार जैन मंदिर में आचार्य शांति सागर आचार्य पदारोहण समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। विवेक विहार दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य शांति सागर आचार्य पदारोहण शताब्दी दिवस भव्य समारोह में आयोजित किया गया। मंदिर समिति के मंत्री अरुण पाटनी ने बताया कि यह शताब्दी महोत्सव पूरे भारतवर्ष में मनाया जा रहा है, इसी कड़ी में विवेक विहार दिगंबर जैन मंदिर में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उपनगरी अग्रवाल समाज समिति ने महाई श्री अग्रसेन जयंती

जयपुर. शाबाश इंडिया। उप नगरीय अग्रवाल समाज समिति बापू नगर जयपुर के तत्वावधान में अग्रसेन जयंती महोत्सव 2024 के तहत आज हरिश्चंद्र तोतुका भवन में सांस्कृतिक समारोह और स्नेह मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया, संरक्षक एडवोकेट अशोक गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में अग्रवाल समाज से जुड़े गणमान्य अतिथियों ने और सदस्यों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के युवा और बच्चों ने बढ चढ कर हिस्सा लिया। राजस्थानी घूमर और अलग-अलग त्योहारों की झांकी स्टेज पर सजा दी गई, महारास की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। समाज के युवाओं और बच्चों की प्रस्तुति और तैयारी को देखकर समिती की तरफ से खूब प्रोत्साहन दिया गया साथ ही विजेताओं को पारितोषिक भी प्रदान किये गये ।सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात समिति की तरफ से महाप्रसादी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक राधेश्याम गुप्ता तथा समिति के अध्यक्ष पूरन बंसल महासचिव सुरेश बंसल और सांस्कृतिक कार्यक्रम की संयोजक मोना अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।